पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

फिल्म काला हिरण के मेकर्स को नोटिस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 93 ■ बुधवार 17 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पानी के लिए मचा हाहाकार

आंदोलन शुरू — **खाली हंडा और बाल्टियाँ लेकर नागरिक उतरे सड़क पर**

उल्हासनगर में पानी की कमी के खिलाफ 'रास्ता रोको'

उल्हासनगर. शहर में पानी की कमी का संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। एक तरफ हफ्ते में एक दिन पानी की कटौती की घोषणा की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ पानी बिल्कुल न आने से नागरिकों में गुस्से का माहौल है। कैंप-5 के वार्ड 17 के गणेशनगर इलाके के गुस्साए नागरिक सड़क पर उतर आए और रोड ब्लॉक कर विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में खाली हंडा और बाल्टियाँ लिए महिलाओं और नागरिकों के जोरदार नारों से पूरा इलाका कुछ देर के लिए गूंज उठा.

सोमवार शाम को स्थानीय नागरिक अचानक भाटिया हॉस्पिटल से सेक्शन-39 जाने वाली मेन रोड पर जमा हो गए और यह विरोध प्रदर्शन किया। पिछले कई दिनों से इस इलाके में रेगुलर और पर्याप्त पानी की सप्लाई न होने से नागरिक बेहद परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस गंभीर समस्या के बारे में नगर निगम प्रशासन को बार-बार लिखकर और बोलकर शिकायत करने के बावजूद अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की इस लापरवाही के खिलाफ कड़ा गुस्सा जताया।

लोगों के मेन रोड जाम करने की वजह से इस रोड पर ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया। इस वजह से सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गईं। विरोध की जानकारी मिलते ही लोकल पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने विरोध कर रहे लोगों से डिटेल में बात की, उनकी मांगें एडमिनिस्ट्रेशन तक पहुंचाने का भरोसा दिया और उन्हें समझाया। इसके बाद मेन रोड को फिर से ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया।

इस विरोध के दौरान, समाजसेवी राधाकृष्ण साठे के एक अनोखे सिंबॉलिक विरोध ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने पानी से भरी बाल्टी में सीधे खड़े होकर, सिर पर और हाथों में खाली बर्तन लेकर मनपा प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का विरोध किया। उनके इस अनोखे विरोध की पूरे शहर में खूब चर्चा हो रही है।

इस बीच, अगर प्रशासन ने इस पानी की दिक्कत का तुरंत और पक्का हल नहीं निकाला, तो आने वाले दिनों में लोगों की भागीदारी से और भी कड़ा और बड़ा विरोध शुरू किया जाएगा। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि इसके बाद जो भी लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बनेगी, उसके लिए मनपा प्रशासन पूरी तरह से जिम्मेदार होगा।

बारवी, चिखलोली डैम में जलस्तर घटा

हफ्ते में दो दिन पानी कटौती शुरू

अंबरनाथ. जिले के शहरों और इंडस्ट्रियल इस्टेट को पानी सप्लाई करने वाले MIDC के बारवी डैम और अंबरनाथ नगर पालिका के चिखलोली डैम में पानी का स्टोरेज खतरनाक लेवल तक कम हो गया है। जून का दो हफ्ता बीत जाने के बाद भी, भारी बारिश और बढ़ते तापमान के कारण पानी का स्टोरेज कम हो गया है।

बारवी डैम में सिर्फ़ 25.33 परसेंट यानी 85.50 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी बचा है, जो सिर्फ़ 80 दिनों के लिए काफ़ी है। पिछले साल के मुकाबले इस साल पानी के स्टोरेज में 12 परसेंट की भारी कमी ने चिंता का माहौल बना दिया है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, पिछले हफ़्ते से लागू की गई एक दिन की पानी की कटौती 15 जून से हफ़्ते में दो दिन लागू कर दी गई है। कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी, ठाणे और मीरा-भायंदर जैसी बड़ी शहरी बस्तियों समेत MIDC इलाके की इंडस्ट्रीज़ की प्यास बुझाने वाले बारवी डैम की कुल स्टोरेज कैपेसिटी 338.84 मिलियन क्यूबिक मीटर है। इस डैम से पानी की सप्लाई को ठीक से प्लान करने के लिए, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने पहले 29 मई से हर शुक्रवार को पानी बंद करने का फैसला किया था। लेकिन, बारिश की कमी से पैदा हुए संकट को देखते हुए, अब पानी की सप्लाई को और कम करने का फैसला लिया गया है।

इन इलाकों पर पड़ेगा पानी कटौती का असर

पानी की इस गंभीर कमी का सबसे ज़्यादा असर जागृति गली, वडवली, मोरीवलीपाड़ा, ग्रीन सिटी, मंगलमूर्ति कॉम्प्लेक्स, बी केबिन रोड, MIDC एरिया, नवरेनगर के कुछ हिस्सों, महालक्ष्मी नगर और अंबरनाथ ईस्ट के अंबेडकर नगर में पड़ेगा। अंबरनाथ मजीप्रा के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर मिलिंद देशपांडे के मुताबिक, एक दूसरे इंतज़ाम के तौर पर, चिखलोली डैम से वडवली और दूसरे इलाकों में एक दिन के लिए नवरेनगर, अंबरनाथ ईस्ट की पानी की टंकी से पानी सप्लाई किया जाएगा।

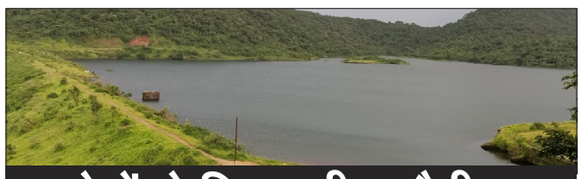

महावितरण कार्यालय में मनसे ने स्मार्ट मीटर तोड़ा

■ **नेता हुए आक्रामक**
■ **शिवसेना ने आंदोलन की धमकी दी**

अंबरनाथ. अंबरनाथ में स्मार्ट मीटर बिठाने का मैसेज आने पर लोग परेशान हैं. मंगलवार को मनसे शहराध्यक्ष एवं उनके साथियों ने महावितरण कार्यालय पर मोर्चा ले जाकर स्मार्ट मीटर को नीचे फेंककर तोड़ दिया और स्मार्ट टीवी को भी तोड़कर उसे पैरों तले रौंदा गया. मनसे शहराध्यक्ष शैलेश शिर्के के नेतृत्व में बबलू खान, नलावडे आदि शिष्टमंडल ने महावितरण के अधिकारी कवाले मैडम से भेंट किया और उन्हें निवेदन देकर कहा कि किसी की अनुमति के बिना लाइट मीटर बदली करके जबरदस्ती स्मार्ट मीटर ना बिठाए जाएं. अगर ऐसा हुआ तो मनसे आक्रामक होकर आंदोलन करेंगे. शिर्के ने पत्रकारों को ये भी बताया कि उन्होंने पुलिस विभाग से बात की है. विभाग ने उनसे कहा है कि अगर जबरदस्ती की जाती है तो पुलिस उनकी शिकायत पर कार्रवाई करेगी. मीटर बदलने के लिए आने वाले कर्मचारियों को मार खाना पड़ेगा. लाइट के बिल भी बढ़ गए हैं, लेकिन महावितरण के अधिकारी व कर्मचारी कोई सुविधा नहीं दे रहे हैं. महिलाओं ने अधिकारी के समक्ष थाली बजा कर अपना रोष व्यक्त किया. इस दरम्यान शिवसेना शिंदे के पदाधिकारी संजय गावडे, नगरसेवक दिलीप आढाव, सुनिता राजेंद्र बागुल ने महावितरण के अधिकारी से भेंट करके कहा कि अगर शहरवासियों के साथ जबरदस्ती करके स्मार्ट मीटर बिठाया गया तो शिवसेना स्टाइल में आंदोलन किया जाएगा. नगरसेवक विकास सोमेश्वर द्वारा 18 जून को कैलाश नगर श्मशान भूमि के पास से स्मार्ट मीटर के विरोध में जबरदस्त मोर्चा ले जाने की पूरी तैयारी कर ली गई है.

गुस्साए पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

कल्याण. कल्याण में एक चौंकाने वाली घटना हुई है जहां एक परिवार में हुआ मामूली विवाद मारपीट में बदल गया। इस घटना में एक शादीशुदा महिला की दर्दनाक मौत हो गई और इस मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

यह घटना कल्याण के हाजीमलंग रोड के 100 फुट रोड इलाके में हुई है। मुबीन खान और उसकी पत्नी आयशा बानो के बीच पिछले कुछ दिनों से मामूली वजहों से बहस हो रही थी। 10 जून को दोनों के बीच फिर से बहस हुई। हालांकि, इस विवाद के गुस्से में मुबीन खान ने अपनी पत्नी आयशा बानो को मुक्कों से बुरी तरह पीटा। इस हमले में आयशा बानो गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और आयशा बानो की मौत हो गई। इस चौंकाने वाली घटना के बाद, आयशाबानो की बहन कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन पहुंची और मुबीन खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

इस मामले में, कोलसेवाड़ी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुबीन खान के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कल्याण-डोंबिवली-उल्हासनगर में 24 घंटे पानी की कटौती

गुरुवार दोपहर 12 बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक पानी की सप्लाई रहेगी बंद

उल्हासनगर. अब कल्याण, उल्हासनगर और डोंबिवली के लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की तरफ से जारी सलाह के मुताबिक, एल नीनो और IOD के असर से समुद्री लहरों के एक्टिव होने से मॉनसून सीजन लंबा चलने की संभावना है। इसलिए, कमी से बचने के लिए 24 घंटे पानी की सप्लाई बंद करने का फैसला किया गया है।

इसके अनुसार, जांभूल स्थित एमआईडीसी के बारवी जल शुद्धिकरण केंद्र से गुरुवार दोपहर 12 बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक पानी की सप्लाई बंद रहेगी। इस कटौती का असर डोंबिवली औद्योगिक क्षेत्र, तलोजा औद्योगिक क्षेत्र, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका, उल्हासनगर महानगरपालिका और क्षेत्र की अन्य ग्राम पंचायतों में महसूस किया जाएगा। इस संबंध में एमआई-डीसी ने निवासियों और उद्योगों से अपील की है। पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद भी कुछ समय के लिए कम दबाव से पानी की सप्लाई होने की संभावना है। इसलिए पानी कटौती से पहले पर्याप्त पानी का भंडारण किया जाना चाहिए।

जल संसाधन विभाग के साथ हुई समीक्षा बैठक के निर्णय के अनुसार, आने वाले दिनों में पानी की कमी को रोकने के लिए यह निवारक निर्णय लिया गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार एमआईडीसी के डोंबिवली विभागीय कार्यकारी अभियंता एस. वी. राउत ने इस नोटिस की एक प्रति कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्तों, तलोजा-डोंबिवली निर्माता संघ और संबंधित ग्राम पंचायतों को भेजी है।

6 हज़ार 'हटरी' रीसायकल करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

पर्यावरण बचाने में स्वच्छगिरी फाउंडेशन का उल्लेखनीय प्रदर्शन

उल्हासनगर. दिवाली के बाद कचरे में फेंके जाने वाले हज़ारों मिट्टी के दीपों (हटरी) को रीसायकल कर पर्यावरण बचाने का ग्लोबल मॉडल बनाने वाले स्वच्छगिरी फाउंडेशन ने उल्हासनगर के माथे पर एक और ताज जोड़ा है। 6 हज़ार 'हटरी' को रीसायकल करके उनकी मिट्टी का इस्तेमाल पेड़ लगाने में करने की इस नई पहल को वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स ने वर्ल्ड रिकॉर्ड के तौर पर दर्ज किया है और फाउंडर राज चांदवानी को खास तौर पर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण बचाने, सफाई और रीसायकल करने के क्षेत्र में शानदार काम करने वाले स्वच्छगिरी फाउंडेशन को वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स से वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मिलने के बाद, फाउंडर चांदवानी का सम्मान समारोह जोश के साथ हुआ। उन्हें झूलेलाल मंदिर के भाई लीलाराम और कुमार ऐलानी ने शॉल, गुलदस्ता और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

दिवाली में इस्तेमाल हुए 6,000 मिट्टी के 'हटरी' इकट्ठा करके रीसायकल किए गए। इस प्रोसेस से मिली मिट्टी का इस्तेमाल पेड़ लगाने के काम में किया गया। पर्यावरण बचाने के लिए शुरू की गई इस अनोखी पहल को देखते हुए वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स ने इसे दुनिया भर में पहचान दी। इस मौके पर विधायक कुमार ऐलानी ने चांदवानी और उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छगिरी फाउंडेशन का काम समाज के लिए प्रेरणा देने वाला है। प्रोग्राम में भाजपा के ज़िला अध्यक्ष राजेश वढारिया, महेश सुखरामानी, देवीदास भरवान और दूसरे जाने-माने लोग, सोशल एक्टिविस्ट और नागरिक मौजूद थे।

अंबरनाथ स्टेशन परिसर में फिर लगा साप्ताहिक बाजार

■ **नपा की कार्रवाई साबित हुई दिखावटी**

अंबरनाथ. रेलवे स्टेशन इलाके में फेरीवालों के खिलाफ अंबरनाथ नपा का चलाया गया अभियान सिर्फ आठ दिनों में फेल हो गया है। सोमवार को लगने वाला पारंपरिक साप्ताहिक मार्केट प्रशासन के बिना किसी डर के उसी जोश के साथ फिर से शुरू हो गया है, ऐसे में अंबरनाथ के लोग नगर परिषद की कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि पिछले हफ्ते हटाए गए मार्केट वेंडर्स ने फिर से सड़कों पर डेरा डाल लिया है, और अब शहर के राजनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा हो रही है कि आखिर इसके पीछे कौन है।

पिछले हफ्ते मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने शहर में अनुशासन लाने के लिए अतिक्रमण विभाग और महाराष्ट्र सुरक्षा बोर्ड के लोगों को सड़कों पर तैनात किया था। रेलवे स्टेशन इलाके में सालों से लगने वाले सोमवार के मार्केट को नगर परिषद की टीम ने कड़ी सुरक्षा में रखा। कई सालों बाद स्टेशन इलाके के खुलने से शहरवासियों ने राहत की सांस ली। हालांकि, सोमवार को यह साफ हो गया कि प्रशासन की यह कार्रवाई सिर्फ एक हफ्ते तक ही सीमित थी। नगर पालिका की कार्रवाई के विरोध में सैकड़ों दुकानदारों ने फिर से सड़क के दोनों तरफ दुकानें लगा लीं।

कार्रवाई या सिर्फ दिखावा?

नगर पालिका प्रशासन हमेशा अतिक्रमण हटाने के कैंपेन पर करोड़ों रुपये खर्च करता है, लेकिन इसका नतीजा 24 घंटे भी नहीं टिकता। शहर को फेरीवालों से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं लोग सवाल उठा रहे हैं कि मेन स्टेशन चौक के ठीक सामने, नगर पालिका की नाक के नीचे गैर-कानूनी बाज़ार कैसे लग सकता है। इससे नगर पालिका के कामों का भरोसा कम हुआ है, और अब सबका ध्यान इस बात पर है कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर क्या ठोस कदम उठाएंगे।

■ **लोगों को हुई परेशानी**

इस वीकली मार्केट की वजह से सोमवार को अंबरनाथ ईस्ट और वेस्ट को जोड़ने वाले स्टेशन के पैदल पुल इलाके में पैर रखने की जगह नहीं बची। सब्जी और कपड़ों के दुकानदारों ने पहले से ही तंग सड़कों पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे यात्रियों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया। इसके अलावा, बिना इजाज़त के रिक्शा चलाने वालों ने भी अपने रिक्शा बीच में खड़े कर दिए, जिससे स्टेशन इलाका मेले जैसा लग गया। दिन भर चली इस अफरा-तफरी की वजह से अंबरनाथ के लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ी।

घंटा गाड़ी में मिला महिला का सड़ा-गला शव

कल्याण. डोंबिवली के खंबालपाड़ा स्थित केडीएमसी के डंपिंग ग्राउंड में खड़ी एक घंटा गाड़ी से महिला का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। खंबालपाड़ा स्थित केडीएमसी के डंपिंग ग्राउंड में कचरा परिवहन करने वाली एक घंटा गाड़ी के अंदर पड़े महिला के सड़े-गले शव पर पड़ी। सूचना मिलते ही डोंबिवली के सहायक पुलिस आयुक्त सुहास हेमाडे मौके पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को मामले की गहन जांच के निर्देश दिए।

गुलाब पवार उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष बने

उल्हासनगर. वरिष्ठ पत्रकार राजू गायकवाड़ उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ में फिर से एक्टिव हो गए हैं और उनकी पहल पर हुए एक प्रोग्राम में गुलाब पवार को उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ का अध्यक्ष चुना गया है। निवर्तमान अध्यक्ष संजय राजगुरु ने गुलाब पवार को प्रेसिडेंट पद का चार्ज सौंपा है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार राजू गायकवाड़, दिनेश गोगी, रामेश्वर गवई, प्रमोद दलवी, संजय राजगुरु, सुनील इंगले, शिवाजी वाघ, प्रकाश सोनवणे आदि मौजूद थे। गुलाब पवार के अध्यक्ष चुने जाने के बाद, पॉलिटिकल और सोशल जाने-माने लोग और अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन उन्हें बधाई दे रहे हैं। पवार ने कहा कि पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का अनाउंसमेंट जल्द से जल्द किया जाएगा।

महिला से बदतमीज़ी करने वाले

वाहन चालक पर RTO ने 6 हजार का जुर्माना लगाया

कल्याण. बदलापुर में एक गाड़ी वाला अपनी गाड़ी पर टिंट लगाकर और तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाकर ट्रैफ़िक में बाधा निर्माण कर रहा था। जैसे ही एक महिला ने गाड़ी वाले को गाड़ी कंट्रोल में करने को कहा, गाड़ी वाले ने अपनी गाड़ी का टिंटेड शीशा नीचे किया और महिला को गंदी-गंदी गालियां दीं। महिला ने गुस्से में आकर गाड़ी वाले को रोक लिया। महिला ने गाड़ी वाले और उसके ड्राइवर का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए गाड़ी मालिक के ख़िलाफ़ सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से कार्रवाई की मांग की।

सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफ़िसर आशुतोष बारकुल ने सोशल मीडिया पर गाड़ी वाले की दादागिरी, रौब और ट्रैफ़िक रोकने वाले वीडियो को गंभीरता से लिया। सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप के गाड़ी नंबर से RTO रिकॉर्ड में बदलापुर में गाड़ी वाले का नाम और घर का पता मिला। और सोशल मीडिया पर ऑडियो-विजुअल वीडियो क्लिप में, गाड़ी के ड्राइवर ने गाड़ी चलाते समय नियमों का उल्लंघन किया और महिला को गंदी भाषा में गालियां दीं। इसलिए, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ई-चालान के ज़रिए 6,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

RTO अधिकारियों ने अपने ऑफिस में इस गाड़ी का रिकॉर्ड चेक किया। पता चला कि इस गाड़ी की मालिक वंदना सुनील घोडके, सुनील घोडके हैं और वह बदलापुर ईस्ट में पाटिल पाड़ा के पास पनवेलकर गृहसंकुल में रहती हैं।

मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल में विकसित भारत का संकल्प

उल्हासनगर. भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा एक पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया। यह पत्रकार परिषद आमदार कुमार आयलानी के कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिल्हा अध्यक्ष राजेश वधर्या एवं आमदार कुमार आयलानी ने पत्रकारों को संबोधित किया।

इस अवसर पर राजेश वधर्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा भारत की वैश्विक स्तर पर बढ़ी प्रतिष्ठा की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक सुधारों के माध्यम से देश के सर्वांगीण विकास को नई दिशा प्रदान की है।

उन्होंने बताया कि उल्हासनगर शहर को प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत वर्तमान में 20 आधुनिक ई-बसें प्राप्त हुई हैं, जो नागरिकों को बेहतर एवं पर्यावरण अनुकूल स र्वज निक परिवहन सुविधा प्रदान कर रही हैं। साथ ही आगामी 15 अगस्त 2026 तक शहर को 80 अतिरिक्त ई-बसें मिलने की संभावना है, जिससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक सशक्त होगी।

राजेश वधर्या ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के अंतर्गत उल्हासनगर में 725 करोड़ रुपये की लागत से 3,387 आवासों का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से हजारों

परिवारों को पक्के एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध होंगे तथा उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

आमदार कुमार आयलानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

पत्रकार परिषद के दौरान उपस्थित पत्रकारों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया गया तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सुरक्षात्मक उपायों से परहेज

मध्य प्रदेश में मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट हुए हादसे में चार यात्रियों की मौत से रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बार-बार होने वाले इस तरह के हादसे रेलवे बोर्ड के उन दावों की सच्चाई को सामने लाते हैं, जिनमें रेलगाड़ी के सफर को पूरी तरह सुरक्षित बनाए जाने की बात कही जाती है।

सवाल है कि अगर चलती ट्रेन में किसी तरह की अफवाह से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपायों पर ध्यान न दिया जाए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

गौरतलब है कि रविवार को खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन के पास के एक डिब्बे में आग लगने की अफवाह के बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतर कर बगल की पटरियों पर खड़े हो गए। इसी बीच, दूसरी ओर से आ रही एक अन्य ट्रेन की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौत हो गई। इससे प्रतीत होता है कि पहले हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया।

एक ट्रेन के यात्रियों का दूसरी ट्रेन की चपेट में आने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी देश भर में ऐसे कई हादसे हो चुके हैं। सवाल है कि इस तरह की अफवाह के दौरान स्थिति को कैसे संभालना है, क्या रेलवे कर्मियों को इसका प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है? ट्रेन के चालक और अन्य कर्मियों को वहां से गुजरने वाली अन्य रेलगाड़ियों के समय की जानकारी होती है, इसके बावजूद दूसरी पटरी पर खड़े यात्रियों को समय रहते आगाह क्यों नहीं किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घटनास्थल पर तीखा मोड़ है, इसलिए पटरी पर खड़े यात्रियों और दूसरी ओर से आ रही ट्रेन के चालक को एक-दूसरे का पता नहीं चल सका।

मगर सवाल यह भी है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रेलवे में बचाव का कोई पुख्ता तंत्र विकसित क्यों नहीं किया जाता? रेलवे बोर्ड को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और इस हादसे की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि इस तरह के हादसे की पुनरावृत्ति न हो।

विमर्श

फ्रांस में नई करवट लेंगे भारत-अमेरिका संबंध

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी-7 में साझेदार देश के रूप में बुलाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। जब मोदी फ्रांस के एवियां-ले-बैंस में जी-7 शिखर सम्मेलन में पहुंचेंगे, उससे ठीक पहले दुनिया एक बड़े कूटनीतिक उलटफेर की गवाह बनी है। अमेरिका और ईरान के बीच 14 जून को एक युद्धविराम समझौते पर सहमति बनी है, जिस पर 19 जून को हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के तहत होर्मुज जलमार्ग निर्बाध रूप से खुलेगा, अमेरिकी नाकेबंदी हटेगी और परमाणु वार्ता के लिए साठ दिन का ढांचा तैयार होगा। इस समझौते ने मोदी-ट्रंप की संभावित मुलाकात का पूरा संदर्भ ही बदल दिया है और संभव है कि इसमें भारत के तीखे सवाल गौण होकर रह जाएं।

ऐसा ही एक सवाल तीन नाविकों की मौत से जुड़ा है। ये अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी में मारे गए। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो से कहा कि यह हमला 'न्यायसंगत नहीं था।' यह विरोध सही था, लेकिन यहां एक अलग ही उलटबांसी है। वह यह कि जिस सैन्य अभियान में ये जानें गईं, उसे अमेरिका ने खुद कूटनीति से वापस खींच लिया।

ये मौतें अमेरिका के उस दांव के कारण हुईं, जिसे बाद में पलट दिया गया। एवियां में मोदी को बिना किसी राजनयिक लाग-लपेगट के इन मौतों पर जवाबदेही की मांग करनी होगी।

अगर अमेरिका-ईरान समझौते

पर दृष्टि डालें तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी राहत है। होर्मुज जलमार्ग का भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्व है। भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग चालीस प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। गैस की आपूर्ति भी एक बड़ी हद तक इसी मार्ग के जरिये होती है। नाकेबंदी के कारण न केवल आपूर्ति बाधित थी, बल्कि ढुलाई लागत भी बढ़ गई थी।

आपूर्ति श्रृंखला में गतिरोध से महंगाई का दबाव बढ़ने लगा। स्वाभाविक है कि इस जलमार्ग का खुलना भारत के लिए अच्छी खबर है। हालांकि इस खुशखबरी के बीच नाविकों की मौत के मुद्दे को अनदेखा नहीं किया जा सकता। एक परिपक्व विदेश नीति यही करती है कि समझौते के स्वागत के साथ ही नाविकों के मुद्दे पर जवाबदेही की मांग करो। ये दोनों बातें एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

एवियां में मोदी-ट्रंप संभावित मुलाकात की बात करें तो यह पिछले वर्ष व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद दोनों की पहली द्विपक्षीय भेंट होगी। मोदी का वह अमेरिकी दौरा ठोस नतीजों का निमित्त बना था। उसमें सैन्य साझेदारी, तकनीकी हस्तांतरण और वाणिज्य के स्तर पर संयुक्त पहल शुरू हुई।

सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआइ, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सहयोग का ढांचा बना, 500 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय हुआ और मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण हुआ। इसके बावजूद व्यापार के मोर्चे पर तस्वीर जटिल बनी हुई है। फरवरी में अंतरिम समझौते की रूपरेखा तो बनी और टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत हुआ, लेकिन आखिरी मंजिल अभी दूर है।

नए श्रम-उल्लंघन शुल्क की सुनवाई जुलाई में होगी। भारतीय टेक्नोलाजी पेशेवरों के लिए एच-1बी वीजा का संकट जारी है। इसकी वजह से आठ लाख भारतीय पेशेवर प्रभावित हैं। यही पेशेवर अमेरिकी टेक इकोनमी की रीढ़ भी हैं। अच्छी बात है कि जयशंकर ने यह मुद्दा सीधे उठाया है और उठाते रहना भी चाहिए।

व्यापक संबंधों की दशा-दिशा को देखें तो मई में नई दिल्ली में हुई क्वाड बैठक में हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी का नया ढांचा बना, महत्वपूर्ण खनिजों पर द्विपक्षीय समझौता हुआ और बीस अरब डालर की सप्लाई चेन मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई गई, जो चीन के दुर्लभ खनिजों पर वर्चस्व का जवाब है। रक्षा सहयोग अब खरीदार-विक्रेता के पुराने ढांचे से निकलकर सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में बढ़ रहा है।

हम सारे संसार को तो नहीं बदल सकते, लेकिन हम अपने व्यक्तिगत संसार को अवश्य बदल सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

समझौता खोलेगा शांति, स्थिरता का रास्ता

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने तथा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर बनी सहमति भारत समेत दुनिया के कई देशों के लिए संकट से राहत मिलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। द्विपक्षीय शांति समझौते पर उन्नीस जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाने का प्रस्ताव है।

इसके लागू होने से निश्चित तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला फिर से बहाल हो पाएगी, जिससे खासकर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव कम होगा और ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ इसकी कीमतों में भी गिरावट आएगी।

मगर अमेरिका और ईरान के बीच इस सहमति को अभी उम्मीद के तौर पर ही देखा जा रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों के रुख में जिस तरह की अनिश्चतता देखी गई है, उस लिहाज से इस समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। संशय इसलिए भी बना हुआ है, क्योंकि अंतिम समझौते के नियम और शर्तें अभी औपचारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई हैं और दोनों पक्षों में से कौन इसमें अड़ंगा लगा दे, इसे बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि अमेरिका और

इजरायल ने इस वर्ष 28 फरवरी को ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किया था, जिसके बाद ईरान ने भी पलटवार शुरू कर दिया। अप्रैल में अमेरिका की ओर से दो सप्तह के युद्धविराम की घोषणा की गई, जिसे बाद में अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। हालांकि, इस बीच दोनों ओर से छिटपुट हमले होते रहे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने से हुआ, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया। वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का परिवहन इसी मार्ग से होता है।

सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे तेल उत्पादक खाड़ी देशों के लिए यही मुख्य निर्यात मार्ग है, जो भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी हैं। अगर यह मार्ग फिर से बहाल हो जाता है, तो भारत जैसे दुनिया के कच्चे तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम होंगी, माल ढुलाई लागत घटेगी और महंगाई पर दबाव भी कम होगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने पर बनी सहमति की खबरें आने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में गिरावट का दौर शुरू हो गया। भारत में इसका असर शेयर बाजार में उछाल और डालर के मुकाबले रुपए की मजबूती के रूप में सामने आया।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पश्चिम एशिया को होने वाले भारत के निर्यात में तेजी आएगी, विनिर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी और रुपये की स्थिरता को भी बल मिलेगा।

ईरान की ओर से होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद इसके आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है। मगर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय सहमति के एलान के साथ यह स्पष्ट कर दिया है कि इस जलमार्ग के फिर से खुलते ही नाकेबंदी को भी हटा लिया जाएगा।

ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिका और ईरान इस सहमति पर कायम रहेंगे और शांति समझौते को अंतिम मंजूरी देने की दिशा में सकारात्मक रूप से कदम आगे बढ़ाएंगे, ताकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता खुल सके।

जब पूरे भारत में होती है रात, तब इस गांव में उग जाता है सूरज

जरा हट के

भारत के ज्यादातर हिस्सों में जब रात होती है और लोग सो रहे होते हैं, तब देश के सबसे पूर्वी कोने में स्थित एक छोटा सा गांव पहले सूरज की किरणों से जग जाता है. हम बात कर रहे हैं अरुणाचल प्रदेश के अनजाव जिले में वालोंग के पास डोंग गांव और आसपास की पहाड़ियां की. इन इलाकों में भारत का सबसे पहला सूर्योदय देखने के लिए मिलता है. यहां रात के तीन बजे ही सूरज निकलने की तैयारी शुरू हो जाती है और पर्यटक इस अनोखे अनुभव के लिए खास ट्रेक पर निकल पड़ते हैं.

डोंग गांव को भारत का लैंड ऑफ राइजिंग सन भी कहा जाता है. इसी जगह देश में सबसे पहले सूर्योदय होता है. डोंग गांव वालोंग से महज 7-8 किलोमीटर दूर है. यह छोटा सा गांव भारत-चीन-म्यांमार त्रिकोण क्षेत्र के करीब स्थित है. यहां की ऊंची चोटियों पर चढ़कर लोग रात के अंधेरे में

ट्रेक करते हैं. कई पर्यटक रात के 1:30 बजे ट्रेक शुरू कर देते हैं ताकि सुबह 3-4 बजे चोटी पर पहुंचकर सूरज की पहली किरणें देख सकें. जहां देश के दूसरे हिस्सों में सूर्योदय सुबह 5:30 से 6:30 बजे के बीच होता है, वहां डोंग और वालोंग क्षेत्र में यह कई घंटे पहले हो जाता है.

दिखता है खूबसूरत नजारा

यह इलाका हिमालय की खूबसूरत घाटियों, लोहित नदी और बर्फीली चोटियों से घिरा हुआ है. सूर्योदय का नजारा यहां बेहद मनमोहक होता है. सुनहरी किरणें पहाड़ों पर पड़ती हैं और पूरा इलाका सुनहरे रंग में नहा जाता है. अरुणाचल प्रदेश को 'लैंड ऑफ राइजिंग सन' इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि देश का सबसे पहला सूर्योदय यहीं होता है.

वालोंग सिर्फ सूर्योदय के लिए नहीं, बल्कि 1962 के भारत-चीन युद्ध की यादों के लिए भी जाना जाता है. यह जगह युद्ध के मैदान रही है और यहां कई भारतीय सैनिकों ने वीरतापूर्ण बलिदान दिया था. आज यह क्षेत्र शांत है लेकिन इतिहासकार और सैन्य प्रेमी यहां आकर भावुक हो जाते हैं. वालोंग में एयरस्ट्रिप भी है जो इस दुर्गम इलाके को देश से जोड़ता है.

पिज्जा समोसा

खाना-खजाना

सामग्री:

पट्टी के लिए:
- मैदा- 1 कप
- अजवाइन- आधा छोटा चम्मच
- तेल या घी- 2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- पानी- गूंथने के लिए

पिज्जा स्टफिंग के लिए:
- मोजरेला चीज- आधा कप
- बारीक कटी शिमला मिर्च- 3 चम्मच
- उबले हुए कॉर्न- 3 चम्मच
- बारीक कटा प्याज- 2 चम्मच
- पिज्जा सॉस- 2 से 3 चम्मच
- ऑरिगेनो और चिली फ्लेक्स- आधा छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

विधि:

सबसे पहले एक बर्तन में मैदा लें और इसमें नमक, अजवाइन और मोयन के लिए तेल डालें। इसे हाथों से अच्छे से मिलाएं ताकि आटे में बाइंडिंग आने लगे। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक सख्त आटा गूंथ लें और इसे ढककर 15-20 मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें। अब एक मिक्सिंग बाउल में कटी हुई शिमला मिर्च, प्याज, और कॉर्न डालें। अब इसमें पिज्जा सॉस, ऑरिगेनो, चिली फ्लेक्स और हल्का सा नमक डालकर अच्छी तरह

मिला लें। लास्ट में इसमें ढेर सारा मोजरेला चीज मिलाएं। आपकी चीजी पिज्जा स्टफिंग तैयार है। अब गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। एक लोई को लेकर पूरी की तरह लंबा बेल लें। अब इसे बीच से काटकर दो बराबर भागों में बांट लें।

एक हिस्से को उठाकर उसके किनारों पर हल्का सा पानी लगाएं और उसे त्रिकोण का आकार दें। अब इसके अंदर तैयार की गई पिज्जा स्टफिंग भरें। ऊपर के किनारों को पानी की मदद से अच्छी तरह चिपकाकर बंद कर दें ताकि चीज बाहर न निकले।

अब अपने एयर फ्रायर को 180°C पर 5 मिनट के लिए प्री-हीट कर लें। इसके बाद तैयार समोसों पर ब्रश की मदद से हल्का सा तेल लगाएं। एयर फ्रायर की बास्केट में समोसों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रखें।

इन्हें 180°C पर लगभग 12 से 15 मिनट के लिए एयर फ्राई करें। बीच में बास्केट को निकालकर समोसों को पलट दें ताकि वे दोनों तरफ से बराबर सुनहरे और कुरकुरे हो जाएं।

पूरी नींद लेने के बाद भी दिनभर टूटता है शरीर?

कब जरूरी हो जाती है डॉक्टर की सलाह

- एक स्वस्थ शरीर के लिए उम्र के हिसाब से 6 से 8 घंटे की अच्छी क्वालिटी वाली नींद लेना बेहद जरूरी है, लेकिन कई बार रात की नींद पूरी न होने के कारण लोग दिनभर थकावट और जरूरत से ज्यादा नींद आने की समस्या से जूझते रहते हैं।
- अगर आपके साथ भी ऐसा अक्सर होता है, तो इसे केवल 'थकान' मानकर नजरअंदाज न करें। यह कुछ ऐसी बीमारियों या आदतों का संकेत हो सकता है, जिनकी समय पर जांच होना बहुत जरूरी है। आइए, डॉ. मोनिका महाजन (प्रिंसिपल डायरेक्टर और एचओडी, इंटरनल मेडिसिन, मैक्स अस्पताल – पंचशील पार्क) से डिटेल में जानते हैं इस बारे में।

स्लीप एपनिया

अगर आपको जोर-जोर से खर्राटे लेने की आदत है और खासकर अगर आपका वजन ज्यादा है, तो आपको 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' की समस्या हो सकती है। इस बीमारी में सोते समय जीभ पीछे की तरफ गिर जाती है और दिमाग के स्लीप सेंटर में गड़बड़ी होने लगती है। इससे दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती, जिससे हार्ट और ब्लड प्रेशर में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहता है।

नतीजा यह होता है कि रात में बार-बार नींद टूटती है। रात की नींद इतनी खराब हो जाती है कि इंसान दिन में कुर्सी पर बैठे-बैठे या गाड़ी में सफर करते हुए भी सो जाता है। यह एक गंभीर समस्या है जिसका सीधा संबंध हार्ट अटैक और स्ट्रोक से पाया गया है। अगर आपको ऐसे लक्षण हैं, तो 'स्लीप स्टडी' कराना सही रहेगा।

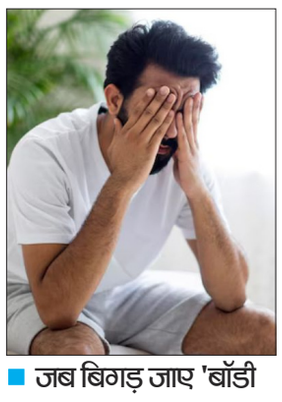

जब बिगड़ जाए 'बॉडी क्लॉक'

जो लोग रात की शिफ्ट में काम करते हैं या अक्सर ट्रैवल करते हैं, उन्हें अक्सर 'जेट लैग' और 'सर्केडियन रिदम डिसऑर्डर' का सामना करना पड़ता है। हमारे शरीर की अपनी एक अंदरूनी घड़ी होती है। जब हमारी 'बॉडी क्लॉक' और बाहर की रोशनी का समय आपस में मेल नहीं खाते, तो स्लीप-वेक साइकिल पूरी तरह खराब हो जाता है। इसी वजह से दिनभर थकान और नींद हावी रहती है।

खराब स्लीप हाइजीन

आपकी रोजमर्रा की कुछ आदतें भी आपकी नींद की क्वालिटी खराब कर सकती हैं:

मोबाइल फोन: रातभर फोन की स्क्रीन पर मैसेज चेक करते रहने से स्लीप साइकिल डिस्टर्ब हो जाता है।

खान-पान: रात को सोने से पहले शराब या कॉफी का सेवन करना भी आपकी रातों की नींद उड़ा सकता है।

क्या किसी बीमारी या दवा का है असर?

- दिन में ज्यादा नींद आने के पीछे केवल अधूरी नींद ही नहीं, बल्कि कई अन्य शारीरिक और बाहरी कारण भी हो सकते हैं:
- **गंभीर बीमारियां:** मोटापा, डायबिटीज, दिल की बीमारियां और थायरॉइड जैसी समस्याओं का सीधा कनेक्शन नींद से है। वृद्धावस्था में 'पार्किंसंस' के मरीजों का भी स्लीप साइकिल अक्सर बिगड़ जाता है।
- **खून की कमी:** शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे इंसान को ज्यादा नींद आती है और थकान बनी रहती है।
- **दवाइयों का साइड इफेक्ट:** अपनी दवाइयों की लिस्ट जरूर चेक करें। कुछ एंटी-एलर्जी और डिप्रेशन की दवाइयां ऐसी होती हैं, जो हमारी नींद में रुकावट डालती हैं और दिन में नींद और थकान का कारण बनती हैं।
- **मौसम का असर:** मौसम की चरम स्थितियां यानी बहुत ज्यादा कड़ाके की सर्दी या झुलसाने वाली गर्मी भी शरीर में थकान और अत्यधिक नींद पैदा कर सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष : पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। जल्दबाजी से हानि होगी।

वृषभ : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मिथुन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या : बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। दूसरों की बातों में न आएं।

तुला : सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। झंझटों में न पड़ें। ईर्ष्यालु सक्रिय रहेंगे।

वृश्चिक : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लाभ में वृद्धि होगी। समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

धनु : किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। आय बनी रहेगी।

मकर : सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा।

कुंभ : आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। प्रमाद न करें।

मीन : मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है। थकान तथा कमजोरी महसूस होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। घर-परिवार के साथ समय व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मानसून शुरू होने से पहले कर लें ये 6 काम

बारिश में भी हरे-भरे रहेंगे पौधे, फंगस और जड़ सड़ने की नहीं होगी टेंशन

गर्मियों की तपिश के बाद मानसून की पहली बारिश हर किसी को सुकून देती है. इंसानों की तरह पेड़-पौधे भी बारिश का इंतजार करते हैं, क्योंकि यही मौसम उनकी तेज ग्रोथ का समय माना जाता है. लेकिन कई बार लोग यह सोचकर निश्चिंत हो जाते हैं कि बारिश का पानी पौधों के लिए काफी है. यही छोटी सी गलती गार्डन को नुकसान पहुंचा सकती है. बरसात के मौसम में गमलों में पानी भरना, जड़ों का सड़ना, फंगस लगना, कीड़े-मकोड़ों का हमला और खरपतवार का तेजी से बढ़ना आम बात है. ऐसे में अगर पहले से थोड़ी तैयारी कर ली जाए, तो आपका छोटा सा गार्डन भी पूरे सीजन हरा-भरा और खूबसूरत बना रह सकता है.

1. गमलों के ड्रेनेज होल की जांच करें

बरसात में पौधों के खराब होने की सबसे बड़ी वजह गमलों में पानी का जमा होना है, अगर गमले के नीचे बने छेद मिट्टी, कंकड़ या जड़ों की वजह से बंद हो जाते हैं, तो अतिरिक्त पानी बाहर नहीं निकल पाता. इससे जड़ें लगातार गीली रहती हैं और धीरे-धीरे सड़ने लगती हैं. मानसून आने से पहले सभी गमलों के ड्रेनेज होल को अच्छी तरह साफ कर लें. आप पेचकस, पतली लकड़ी या किसी नुकीली चीज की मदद ले सकते हैं.

2. खरपतवार को जड़ से हटाएं

बारिश के मौसम में नमी बढ़ते ही जंगली घास और खरपतवार तेजी से फैलने लगते हैं. ये पौधों की मिट्टी से जरूरी पोषक तत्व खींच लेते हैं, जिससे मुख्य पौधे कमजोर हो जाते हैं. मानसून शुरू होने से पहले गमलों और क्यारियों

की निराई-गुड़ाई करें. कोशिश करें कि खरपतवार को जड़ समेत निकालें, ताकि वे दोबारा जल्दी न उगें.

3. पौधों की हल्की प्रूनिंग करें

बरसात पौधों की नई पत्तियों और शाखाओं के विकास का मौसम है. ऐसे में सूखी, पीली या बीमार टहनियों को पहले ही काट देना फायदेमंद रहता है. हल्की प्रूनिंग से पौधों के बीच हवा का प्रवाह बेहतर होता है और धूप भी आसानी से पहुंचती है. इससे फंगस का खतरा कम होता है और नई ग्रोथ तेजी से होती है. ध्यान रखें कि जरूरत से ज्यादा छंटाई न करें, क्योंकि इससे पौधों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है.

4. बेलों और लंबे पौधों को सहारा दें

मानसून के दौरान तेज हवाएं और आंधी आना आम बात है. ऐसे में मनी प्लांट, गिलोय, टमाटर या अन्य बेल वाले पौधे टूट सकते हैं. बारिश शुरू होने से पहले ही बांस की लकड़ी, गार्डन स्टिक या रस्सी की मदद से पौधों को मजबूत सहारा दें. इससे पौधे हवा और बारिश के दबाव को आसानी से झेल पाएंगे.

5. मिट्टी और खाद की तैयारी करें

लगातार बारिश की वजह से गमलों की ऊपरी मिट्टी बह सकती है. इसके साथ ही कई जरूरी पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं. मानसून से पहले गमलों में नई मिट्टी मिलाएं और जैविक खाद डालें. गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट या घर में बनी ऑर्गेनिक खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं. बारिश का पानी इन पोषक तत्वों को जड़ों तक पहुंचाने में मदद करता है, जिससे पौधों की ग्रोथ बेहतर होती है.

6. फंगस से बचाव की तैयारी करें

नमी और उमस का मौसम फंगस, मिलीबग, चींटियों और दूसरे कीड़ों के लिए अनुकूल होता है. इससे बचने के लिए मानसून शुरू होते ही हर 15 दिन में नीम के तेल का स्प्रे करें. जरूरत पड़ने पर फंगिसाइड का हल्का छिड़काव भी किया जा सकता है. पौधों की पत्तियों की नियमित जांच करते रहें. किसी भी तरह के सफेद धब्बे, चिपचिपापन या कीड़े दिखें, तो तुरंत इलाज करें.

गठिया के लिए सबसे खराब फूड्स

रेड मीट- इसमें सैचुरेटेड फैट और प्यूरिन ज्यादा होता है, जो यूरिक एसिड बढ़ाकर गठिया के दर्द को ट्रिगर करता है.

प्रोसेस्ड फूड्स- पिज्जा, बर्गर, चिप्स और पैकेज्ड स्नैक्स में ट्रांस फैट्स होते हैं, जो सूजन बढ़ाते हैं.

ज्यादा शुगर- मिठाइयां, सोडा और डेजर्ट्स शरीर में इंफ्लेमेशन को बढ़ावा देते हैं और मोटापा बढ़ाकर जोड़ों पर दबाव डालते हैं.

रिफाइंड कार्ब्स- मैदा, सफेद ब्रेड और पास्ता ब्लड शुगर बढ़ाकर इंफ्लेमेशन को ट्रिगर करते हैं.

ज्यादा मात्रा में नमक- ज्यादा नमक शरीर से कैल्शियम कम करता है और हड्डियों को कमजोर बनाता है.

अल्कोहल- ये यूरिक एसिड का लेवल बढ़ाता है, जिससे गठिया के हमले और दर्द ज्यादा बढ़ सकते हैं.

डीप-फ्राइड फूड्स- तली-भुनी चीजें ट्रांस फैट से भरपूर होती हैं, जो सूजन और मोटापे दोनों को बढ़ाती हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पत्नी ने चाकू से गोद कर मार डाला, प्रेमी से फोन पर बात करते समय टोकने पर भड़की

कानपुर. उत्तर प्रदेश के कानपुर के फीलखाना क्षेत्र से एक हैरतंगेज आपराधिक वारदात सामने आई है। यहां एक कपूर कारोबारी को उनकी पत्नी ने ही चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया है। आरोप है कि पत्नी का पिछले कुछ सालों से किसी से अफेयर चल रहा था। पति को इसकी जानकारी हो गई थी। 5 जून को प्रेमी से फोन पर बात करने के दौरान पति के टोकने पर भड़की पत्नी ने यह खौफनाक कदम उठाया। उसने किचन से चाकू लाकर अपने पति के पेट में मार दिया। गंभीर रूप से घायल पति को हैलेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। कपूर कारोबारी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जिसकी हत्या का मुकदमा पति पर था, वह महिला हरदोई में मिली

हरदोई. यूपी के बहराइच जिले की जिस महिला की हत्याकर शव गायब किए जाने का मुकदमा रिसिया थाने में दर्ज हुआ था वह महिला हरदोई के बिलग्राम से बरामद की गई। इससे आरोपी पक्ष का बड़ी राहत मिली है। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद पंजाब से लेकर यूपी के दूसरे जिलों तक छानबीन करने के बाद महिला को बरामद कर लिया। महिला हरदोई के व्यक्ति के साथ चली गई थी। इस महिला की हत्या का मुकदमा उसकी मां ने अपने दामाद पर दर्ज कराया था। बहराइच जिले के थाना मटेरा के कुरवारी माफी निवासी कलावती पत्नी जगदीश ने अदालत के जरिए थाना रिसिया पर 17 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला की मां ने आरोप लगाया था कि थाना रिसिया के पटना घुसयारी निवासी गणेश पुत्र मुनिजर जो उसका दामाद है, ने उसकी पुत्री की हत्या कर दी और शव गायब कर दिया।

बीवी के जॉब करने पर बौखलाया पति, लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर की हत्या

बिजनौर. यूपी के बिजनौर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मंडावली थाना क्षेत्र के गांव मूसेपुर में सोमवार को घरेलू कलह के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक पत्नी के नौकरी करने पर पति नाराज था और आए दिन दंपति में झगड़ा होता था। सूचना पर एएसपी सिटी डॉ कृष्ण गोपाल सिंह व सीओ नजीबाबाद आकांक्षा गौतम पुलिस बल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि आरोपी पति और उसकी लाइसेंसी बंदूक को कब्जे में ले लिया गया है।

TMC के दोनों गुटों का पक्ष सुनेंगे स्पीकर

- ममता खेमे को भी बुलाया
- बागी सांसदों के NCPI में विलय के दावे पर कानूनी राय लेंगे

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग ग्रुप के तौर पर मान्यता देने की मांग की है। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद फैसला करेंगे।

PTI के मुताबिक, स्पीकर कार्यालय ने ममता बनर्जी खेमे के सांसदों को भी ईमेल भेजकर बैठक के लिए बुलाया है। दोनों पक्षों से बात करने के बाद ही फैसला होगा। यह फैसला संसद के मानसून सत्र से पहले आ सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर इस मामले में कानून मंत्रालय की राय भी ले सकते हैं। यह राय इसलिए ली जा रही है, ताकि स्पीकर का फैसला अदालत में चुनौती मिलने पर भी कानूनी जांच में टिक सके।

रविवार को TMC के 20 बागी सांसदों में से 17 ने स्पीकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था और अपने गुट के नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय की जानकारी दी थी।

एक्सपर्ट बोले- सांसद खुद किसी पार्टी में विलय नहीं कर सकते

पूर्व लोकसभा महासचिव और संवैधानिक विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य के मुताबिक, संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत केवल कोई राजनीतिक दल ही दूसरे राजनीतिक दल में विलय कर सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी पार्टी का नेतृत्व विलय का फैसला करता है, तो उसके सांसद और विधायक उसका हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन सांसद या विधायक अपने दम पर किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकते। एक पूर्व चुनाव आयोग अधिकारी ने भी बागी सांसदों के NCPI में विलय के प्रस्ताव को 'नई व्यवस्था' बताया। उनके मुताबिक, ऐसी व्यवस्था का जिक्र न तो दल-बदल कानून में है और न ही जनप्रतिनिधित्व कानून में।

यूपी में प्राइमरी स्कूल 24 जून तक बंद

उत्तर में मंगलवार से परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूल गर्मियों की छुट्टी के बाद खुले। अब प्राइमरी और उच्च प्राइमरी 24 जून तक बंद कर दिए गए हैं।उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि तय की गई है। नया आदेश जारी किया है। अब 20 मई 2026 से 24 जून 2026 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। 25 जून 2026 से विद्यालय पुनः खुलेंगे और पठन-पाठन शुरू होगा। अपर मुख्य सचिव, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश के कैलेंडर को बढ़ा दिया गया है। लू चलने और अत्याधिक गर्मी होने के कारण विद्यालयों को 16 जून से खुलने के बावजूद बंद करने की नौबत आती है।

तेलंगाना में मानसून 6 दिन से अटका

- छत्तीसगढ़ में बारिश के लिए 3-4 दिन, जबकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हफ्तेभर इंतजार करना होगा

मानसून तेलंगाना के भद्राचलम में 6 दिन से अटका हुआ है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। यहां कई हिस्सों में गर्मी लौट आई है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजी ऑर्गनाइजेशन की हाइड्रोमेट्री टीम के मेंबर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन, तो मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री करीब हफ्तेभर बाद हो सकती है।

उनका यह भी कहना है कि इस हफ्ते के अंत तक बारिश की गतिविधियों में सुधार संभव है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। ये हवाएं इस बार सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून की गति प्रभावित हो रही हैं।

अरब सागर में भी 8 जून से फंसा मानसून

इधर, अरब सागर से उठ रही मानसूनी हवाएं भी 8 जून से अटकी हुई हैं। इस वजह से देश के अंदर पहुंच चुकीं मानसूनी हवाओं को पुश नहीं मिल पा रहा है। यानी, मानसूनी हवाओं को तेलंगाना से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की तरफ धकेलने के लिए जरूरी प्रेशर नहीं बन रहा है।

सैटेलाइट इमेज में गायब दिखे मानसूनी बादल

15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। एक दिन पहले, यानी 14 जून को भारत का बड़ा हिस्सा बादलों से ढका दिखाई दिया था। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई।

देश के प्रमुख ठिकानों पर ड्रोन अटैक की आशंका

- सरकार का एजेंसियों को अलर्ट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि सीमाओं पर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों पर दुश्मन ड्रोन हमला कर सकता है।

'द हिंदू' की खबर के मुताबिक जहाज और जलमार्ग मंत्रालय के समुद्री सुरक्षा विंग ने जमीन और समुद्री सीमाओं के पास मौजूद महत्वपूर्ण संपत्तियों और ठिकानों पर ड्रोन अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मंत्रालय के लेटर में लिखा है- हमें जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे, खासकर सीमा के पास बने अपने ठिकानों को खतरनाक ड्रोनों से बचाने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने होंगे। दुनिया के मौजूदा हालात को देखकर यह साफ है कि दुश्मन के ड्रोन हमारे जरूरी ठिकानों के कामकाज को ठप कर सकते हैं।

इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां देशभर के खास ठिकानों को सुरक्षित रखने के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने में जुट गई हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में B-52 बॉम्बर क्रैश

- 8 लोगों की मौत
- अधिकारी बोले- कंट्रोल सिस्टम या इंजन में खराबी की आशंका

कैलिफोर्निया. अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर सोमवार सुबह B-52 बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी 8 लोगों के मारे गए हैं।

अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान नियमित परीक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11.20 बजे टेकऑफ के तुरंत बाद विमान नीचे गिरा और उसमें आग लग गई।

मृतकों में वायुसेना के जवान और विमान परीक्षण से जुड़े विशेषज्ञ शामिल थे। फिलहाल दुर्घटना की वजह साफ नहीं है। अनुमान है कि विमान का कंट्रोल सिस्टम, इंजन या टेस्टिंग किए जा रहे किसी उपकरण में खराबी आई होगी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि क्या विमान में हथियार मौजूद थे। हादसे के बाद एयरफील्ड को बंद कर दिया गया है और आने वाले विमानों को दूसरे एयरबेस की ओर भेजा जा रहा है।

कंट्रोल सिस्टम में खराबी की आशंका

विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेटी ने कहा कि विमान जिस तरह उड़ान भरने के तुरंत बाद गिरा, उससे शुरुआती तौर पर फ्लाई कंट्रोल सिस्टम में खराबी की आशंका लगती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

गुजेटी के मुताबिक, यह मेंटेनेंस के बाद नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी, इंजन की गंभीर खराबी या किसी परीक्षण उपकरण के फेल होने का मामला भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षण उड़ानें सामान्य उड़ानों की तुलना में अधिक जोखिम भरी होती हैं।

एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर होती है टेस्टिंग

एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस लॉस एंजिलिस से करीब 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। यह अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र है। यहां नए विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और उपकरणों का परीक्षण किया जाता है।

खड़े ट्रक में घुसी बाइक, MBA छात्र और दोस्त की मौत

मेरठ. उत्तर प्रदेश के मेरठ में भीषण हादसा हो गया है। दौराला में एनएच-58 पर दादरी ओवरब्रिज के पास गलत जगह पर खड़े ट्रक ने हादसा करा दिया। एनएच पर गलत जगह पर पार्क ट्रक में हरिद्वार की ओर से आ रही बाइक जा घुसी। इस सड़क हादसे में एमबीए छात्र और उसके दोस्त की मौत हो गई। ट्रक वाले की लापरवाही ने दो जान ले ली। आरोपी चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक गाजियाबाद और गाजीपुर के रहने वाले थे। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल पहुंचाया गया।

उत्तराखंड से संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

- चीन में बने हथियार बरामद
- PAK से ड्रोन के जरिए आए
- 15 अगस्त से पहले बड़ी साजिश की फिराक में था

ऊधम सिंह नगर. उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से चीन में बने हथियार बरामद हुए हैं। यह कार्रवाई सेना, BSF और पंजाब पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर उत्तराखंड STF ने की है।

संदिग्ध आतंकी का नाम ईशानप्रीत सिंह है, जो अमृतसर शहर का रहने वाला है। उसके पास से 3 जिगाना पिस्टल, 3 बरेटा पिस्टल, 6 मेड इन चाइना पिस्टल, 20 मैगजीन और लगभग 900 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

ईशानप्रीत सिंह के पास ये सभी हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब बॉर्डर पर पहुंचाए गए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वह 15 अगस्त से पहले किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। इसके साथी अभी पंजाब, उत्तराखंड और यूपी में एक्टिव है। मामले में दोपहर बाद ऊधम सिंह नगर के एसएसपी अजय गणपति जानकारी देंगे।

एक महीने पहले एजेंसियों को मिला था इनपुट- सेना, सीमा सुरक्षा बल (BSF) और पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) को मई में इनपुट मिला था कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारतीय सीमा पर हथियारों और ड्रग्स की एक बड़ी खेप पहुंचाई गई है।

NEET री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक

- 21 को परीक्षा, 22 जून तक एप काम नहीं करेगा
- मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद

नई दिल्ली. भारत सरकार ने NEET की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। NTA ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69A के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026 तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है। NEET री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने एग्जाम के बाद भी टेलीग्राम को अपना मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए मैसेज 30 जून तक एडिट नहीं हो पाएंगे। NTA के मुताबिक कुछ लोग टेलीग्राम का इस्तेमाल परीक्षाओं में पेपर लीक होने के फर्जी सबूत बनाने के लिए करते रहे हैं। ऐसे मामलों को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

सिरप अब डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर ही मिलेगा

- सरकार ने दवा खरीद के नियम बदले

नई दिल्ली. कफ सिरप अब बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदे जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने ड्रग्स नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत सिरप को अब उस लिस्ट से हटा दिया गया है, जिसमें दवाएं सीधे दुकान से खरीदी जा सकती हैं। सरकार का कहना है कि इससे सिरप आधारित दवाओं पर निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत होगा। साथ ही सिरप निर्माता और विक्रेता को लाइसेंसिंग और क्वालिटी कंट्रोल से जुड़े सख्त नियमों का पालन करना ही होगा। नई व्यवस्था के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची K में बदलाव किया गया है। इस अनुसूची में उन दवाओं को रखा गया था, जिन्हें कुछ नियमों में छूट दी गई थी। अब इस सूची से सिरप को हटा लिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, पहले अनुसूची K के तहत 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कफ सिरप की बिक्री के लिए कुछ रिटेल लाइसेंसिंग प्रावधानों से छूट थी। नए संशोधन के बाद यह छूट नहीं रहेगी। ऐसे गांवों में भी कफ सिरप केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त दवा दुकानों से ही बेचा जा सकेगा।

- तीन साल पहले क्वालिटी टेस्ट अनिवार्य किया था

दवा सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठा चुकी है। 2022-23 में भारत में बनी कुछ कफ सिरप दवाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे थे। अफ्रीकी देशों और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के मामलों के बाद भारतीय दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाई गई थी।

इसके बाद सरकार ने कफ सिरप के निर्यात से पहले सरकारी लैब में अनिवार्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की। साथ ही दवा निर्माण इकाइयों के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (GMP) मानकों को भी सख्त किया गया। कई कंपनियों के लाइसेंस निलंबित किए गए और उत्पादन इकाइयों पर कार्रवाई हुई।

वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का मारा

- सुपर ओवर में भारत-ए की हार के बाद हुई बहस
- कप्तान तिलक भी अंपायरों से भिड़े

श्रीलंका-ए ने सोमवार को दांबुला में खेले गए ट्राई सीरीज के रोमांचक मुकाबले में भारत-ए को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ी विशेन हलंबागे से बहस हो गई और इसी दौरान उन्होंने हलंबागे को धक्का भी दे दिया। श्रीलंकाई विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

इससे पहले, सोमवार को मुकाबला टाई हो गया। भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 265 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए भी 50 ओवर में 265 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर श्रीलंका को जीत के लिए 2 रन चाहिए थे, लेकिन टीम सिर्फ 1 रन ही बना सकी। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका।

जब मैच टाई हुआ तब यह स्पष्ट नहीं था कि सुपर ओवर होगा या नहीं। अंपायर तर्क दे रहे थे कि काफी शाम हो चुकी है और आगे मुकाबला संभव नहीं होगा। इसके बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा की अंपायर से बहस हुई। फिर सुपर ओवर कराने का फैसला किया गया।

इसके बाद अगला विवाद सुपर ओवर में श्रीलंका की पारी की आखिरी गेंद पर हुआ। अरशद खान की फुलटॉस गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज कैच आउट हुए। अंपायर ने बल्लेबाज को आउट करार दे दिया और भारतीय फील्डर्स ग्राउंड से बाहर चले गए। इसके बाद रिप्ले देखने के बाद पता चला कि यह गेंद नो बॉल थी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी। ड्रामे का अगला सीक्वेंस सुपर ओवर के बाद देखने को मिला। भारत के मैच हारने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने वैभव को कुछ कहा। इससे वैभव भड़क गए और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी के साथ धक्का-मुक्की हो गई।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप

- धर्म परिवर्तन की कोशिश भी हुई
- रोते हुए बोली- मुझे छोड़ दो

नागपुर. नागपुर में भारतीय वायुसेना (IAF) के एक अफसर की 24 साल की पत्नी से रेप, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे उसका स्कूल क्लासमेट है। पीड़ित के मुताबिक, अयाज उस पर आयते पढ़कर फूंकता रहा। इसके बाद उसका रेप करता था। धर्मांतरण से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अयाज उसके हाथ पकड़े हुए आयतें पढ़ता दिखाई दे रहा है।

वीडियो में महिला कहती है, 'तुम्हें लड़ने की बहुत आदत है ना, हाथ छोड़ो ना... छोड़ो।' इसके बाद वह लगातार 'मुझे छोड़ दो' कहकर रोती और विरोध करती नजर आती है। जबकि आरोपी उसके हाथ जोर से पकड़े रहता है।

- महिला प्रॉपर्टी डीलर, पति दूसरे शहर में पोस्टेड

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित के पति भारतीय वायुसेना में हैं और फिलहाल दूसरे शहर में पोस्टेड है। महिला प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करती है। फरवरी 2025 में आरोपी अयाज ने प्लॉट खरीदने के बहाने उससे संपर्क किया था।

FIR के मुताबिक, आरोपी ने महिला को वर्धा रोड स्थित एक होटल में बुलाया। महिला का आरोप है कि वहां उसे नशीला पदार्थ मिला जूस पिलाया गया। बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया गया और उसकी फोटो-वीडियो बना ली गईं। बाद में इन्हीं आपत्तिजनक वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया गया। आरोपी ने कई बार उसका यौन शोषण किया और उससे करीब 4 लाख रुपए भी वसूले। महिला ने आरोप लगाया कि उस पर इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया गया और धार्मिक रस्मों के नाम पर कई गतिविधियां कराई गईं।

- जबरन 'कबूल है' कहलवाया

महिला का दावा है कि 31 मई को अयाज उसे जबरन नागपुर के पास कलमेश्वर ले गया। वहां उसकी मुलाकात अमीन शेख और हजरत मौलाना से कराई गई। मौलाना मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया गांव का रहने वाला है। शिकायत के मुताबिक, तीनों उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। मौलाना ने वहां पीड़ित से जबरन 'कबूल है' कहलवाया। इसके बाद उसे धर्मांतरण पूरा होने की बात कही गई और बताया कि उसका अयाज मदारे से निकाह हो चुका है।

दीपके बोले-जयपुर में RSS के लोगों ने हमला किया

- कॉकरोच पार्टी के 2 लाख फॉलोअर्स घटे

नागपुर. कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जयपुर में उन पर हुए हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS के लोगों का हाथ था। अभी दीपके नागपुर में है।

उन्होंने कहा- 'जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है, तो ऐसा ही होता है। इसमें कुछ नया नहीं है।' कल यानी 15 जून को कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में शामिल युवकों ने दीपके को थप्पड़ मारे थे।

वहीं, CJP के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 16 जून को पार्टी के इंस्टाग्राम पर 2.25 करोड़ फॉलोअर्स हैं। 6 जून को दिल्ली में CJP के पहले प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम पर 2.21 करोड़ फॉलोअर्स थे। अगले दिन 7 जून को 24 घंटे के भीतर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स हो गए थे।

कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक, CBSE परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही है। इसके लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है।

बकाया चालान वाली गाड़ियों के नंबर LED स्क्रीन पर दिखेंगे

- AI कैमरे ट्रैफिक सिग्नल पर 12 सेकेंड में पकड़ रहे
- मर्सिडीज के 8 चालान पेंडिंग मिले

जयपुर. जयपुर में अब ट्रैफिक नियम बार-बार तोड़ने, बकाया चालान वाली गाड़ियों के नंबर चौराहे पर लगी बड़ी LED स्क्रीन पर दिखेंगे। यह शुरुआत रामबाग चौराहे पर 4 दिन पहले की गई है। इस चौराहे से गुजरने वाली गाड़ियों पर AI कैमरे नजर रखते हैं और चालान बकाया होने पर 12 सेकेंड में उनके नंबर सर्किल पर लगी LED स्क्रीन पर दिखाते हैं।

इसके बाद ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी उस गाड़ी को रोककर बकाया चालान की जानकारी देता है और गाड़ी के मालिक को चालान जमा कराने के लिए समझाता है। इसके बाद भी चालान जमान नहीं होता है तो अगली बार गाड़ी जब्त कर ली जाती है।

इस एआई हाईटैक तकनीक 'स्मार्ट व्हीकल चालान डिटेक्शन सिस्टम लॉन्च' से चालान जमा नहीं कराने वाले वाहनों को पकड़ा जा रहा है। 4 दिन पहले प्रयोग के तौर पर शुरू की गई इस पहल में शुरुआती दौर में बड़ी संख्या में वाहनों की पहचान की गई है।

इन कंपनियों के साथ पुलिस ने सिस्टम किया लॉन्च

गौरतलब है कि राजस्थान पुलिस, Eva Bharat ने Crashfree Media और Cars24 के साथ मिलकर जयपुर में 'स्मार्ट व्हीकल चालान डिटेक्शन सिस्टम' लॉन्च किया है। यह सिस्टम स्मार्ट और डिजिटल रूप से जुड़े शहरी बुनियादी ढांचे की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। रामबाग चौराहे पर प्रयोग के तौर पर लगाई गई बड़ी LED स्क्रीन पर बकाया चालान वाली गाड़ियों की रियल टाइम पहचान कर नंबर दिखाए जा रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी गाड़ी के ड्राइवर को समझाकर जुर्माना जमा कराने की नसीहत दे रहे हैं। किसी गाड़ी का चालान बकाया नहीं होने पर उसे धन्यवाद भी दिया जाता है। ट्रैफिक पुलिस ने इस पूरी प्रक्रिया के लिए अजमेरी गेट स्थित यादगार में कंट्रोल रूम भी तैयार किया है।

शहर में ट्रैफिक पुलिस की इस पहल की दैनिक भास्कर ने पड़ताल की तो कई पहलू सामने आए। भास्कर टीम ने करीब 6 घंटे रामबाग चौराहे पर इसका रियलिटी चेक किया।

रिटायर्ड जज से कार लूटने की कोशिश,

लखनऊ. आटो चालक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर दुस्साहसिक घटना की है। तीनों बदमाश ने जनेश्वर मिश्र अंडर पास के हाईकोर्ट से रिटायर जज एसएन अग्निहोत्री को रोक किया। चालक और उसके बाइक सवार दो दोस्तों ने रिटायर जज से पहले अभद्रता की। इसके बाद बदमाशों ने जज से कार और नकदी लूटने की कोशिश की। शोर पर तीनों बदमाश वहां से भाग निकले। लेकिन इसके बाद बदमाश नहीं माने कुछ दूरी पर फिर जज की कार रोकने की कोशिश की। ड्राइवर ने आटो में बस की नंबर प्लेट लगा रखी थी। रिटायर जज ने इस घटना को लेकर लखनऊ के गोमतीनगर थाने में तहरीर दी।

संक्षेप...

ठगी का आरोप

कल्याण. व्यवसाय में भागीदारी देकर आर्थिक लाभ दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की कथित ठगी करने वाले रोहित राठोड के खिलाफ डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर राष्ट्रीय परिवर्तन पक्ष ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरसिंग गायसमुद्रे द्वारा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को सौंपे गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि रोहित राठोड ने कृष्णा चौधरी, संदीप भुजबल, अनिकेत आढाव, सौरभ मते, निलेश अरोरा सहित कई लोगों के साथ आर्थिक लेन-देन किया.

उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट के अटकलें

- शिंदे गुट के MLC का दावा- हमारे संपर्क में 7 सांसद
- उद्धव बोले- जाना वाले खुशी-खुशी जाएं

मुंबई. शिवसेना (शिंदे गुट) के MLC कृपाल तुमाने ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के 7 सांसद उनके संपर्क में हैं।

ANI से बातचीत में उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत पिछले एक महीने से चर्चा चल रही है। अब अंतिम चरण में है। मानसून सत्र से पहले ये सांसद शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स से मुताबिक, इस बीच 14 जून को उद्धव ठाकरे ने अपने सांसदों की बैठक बुलाई है। बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर कोई पार्टी छोड़ना चाहता है तो उसे रोका नहीं जाएगा। वे खुशी-खुशी जाएं।

उद्धव ने 2022 में हुई शिवसेना की टूट का जिक्र करते हुए कहा- उस समय भी मुझे बगावत की जानकारी थी, लेकिन मैंने किसी पर दबाव नहीं बनाया।

यवतमाल-वाशिम सीट से

शिवसेना (UBT) सांसद संजय देशमुख ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव से दिल्ली में मुलाकात की। देशमुख ने रविवार की बैठक में पारिवारिक कारणों का हवाला देकर व्यक्तिगत रूप से हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि PTI से बातचीत में राउत ने कहा कि इस मुलाकात को लेकर गलत तस्वीर पेश की जा रही है। उन्होंने दोहराया कि शिवसेना (UBT) के सभी सांसद पार्टी के साथ हैं।

राउत बोले- सभी सांसद एकजुट हैं

UBT सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सांसद उद्धव ठाकरे के साथ हैं और टूट की खबरें गलत हैं। कृपाल तुमाने कौन हैं? महाराष्ट्र की राजनीति में ऐसा कोई बड़ा नाम नहीं है।

राउत ने कहा कि चार दिन पहले उद्धव ठाकरे की बैठक में सभी सांसद शामिल हुए थे और उन्होंने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया था। कुछ नेताओं ने तो अपने परिजनों की कसम खाकर उद्धव ठाकरे के साथ रहने की बात कही थी।

हालांकि, मीडिया रोपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मीटिंग में 4 सांसद फिजकली पहुंचे थे, जबकि एक सांसद ऑनलाइन जुड़े थे। 4 सांसद मीटिंग में शामिल नहीं हुए।

6 वर्षीय मासूम की सेप्टिक टैंक में गिरकर दुखद मौत

भिवंडी. निजामपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत रहिवासी एरिया फरीद बाग़ में एक बिल्डिंग की पार्किंग में स्थित सेप्टिक टैंक में 6 वर्षीय छात्र मो.अहमद मसूद दोस्तों के साथ खेलते हुए गंदे पानी में अचानक गिर गया.मुंह में जहरीली गैस जाने से उपचार के दौरान ही उसकी दुखद मौत हो गई.सुरक्षा के मद्देनजर सेप्टिक टैंक के ऊपर कोई मजबूत ढक्कन नहीं होने और ढक्कन की जगह टूटी फूटी लकड़ी का टुकड़ा रखे होने से दुर्घटना होनी बताई जा रही है.परिजनों एवं क्षेत्रीय लोगों ने निजामपुर पुलिस से इमारत

की मेंटेनेंस के लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर आपराधिक मामला दाखिल किए जाने की मांग की है.अबोध बच्चे की हुई अचानक मौत से इमारतों के नीचे निर्मित सेप्टिक टैंकों के रखरखाव को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं.

प्रयोगशाला सक्षम है, तो स्वास्थ्य सिस्टम सक्षम है!

ठाणे. ठाणे में एक दिन की राज्य स्तर वर्कशॉप ऑर्गनाइज़ की गई थी। इसका मकसद पब्लिक स्वास्थ्य सिस्टम में लैब सर्विस की क्वालिटी को बेहतर बनाना और सही डायग्नोसिस के ज़रिए मरीज़ की सर्विस को और असरदार बनाना था। इस पहल ने हेल्थ सिस्टम में "प्रॉब्लम से सॉल्यूशन" की तरफ एक पॉजिटिव बदलाव लाने की कोशिश की है।मनोरोगी अस्पताल में हुई इस वर्कशॉप में राज्य भर के प्राइमरी स्वास्थ्य सेंटर, ग्रामीण अस्पताल, सब-जिला और जिला अस्पताल के लैब ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर और एक्सपर्ट ने हिस्सा लिया। ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य सर्विस के बीच के गैप को कम करने और मरीज़ों के लिए

समय पर और सही डायग्नोसिस पक्का करने पर खास ज़ोर दिया गया।स्वास्थ्य डायरेक्टर डॉ. नितिन अंबाडेकर की अध्यक्षता में हुई इस वर्कशॉप में जॉइंट डायरेक्टर डॉ. सुनीता गोलहैत, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर,मनोरोगी अस्पताल मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक,सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और दूसरे जाने-माने लोग मौजूद थे। लैबोरेटरी सर्विस में रोज़ाना आने वाली दिक्कतों, इक्विपमेंट की अवेलेबिलिटी, मैनपावर की कमी और टेक्निकल सुधारों पर गहराई से चर्चा हुई। इसमें शामिल अधिकारियों ने अपने सीधे अनुभव बताए और असली हालात की तस्वीर पेश की। इस जानकारी के आधार पर तुरंत सुधार और समाधान सुझाने की कोशिश की गई।इस मौके पर, जाने-माने लोगों ने कहा कि एक मज़बूत लैबोरेटरी सिस्टम मॉडर्न स्वास्थ्य की रीढ़ है। अगर टेस्ट सही समय पर और सही तरीके से किए जाएं, तो मरीज़ों का इलाज ज़्यादा असरदार होता है और स्वास्थ्य सिस्टम पर बोझ भी कम होता है।इस पहल से ज़मीनी स्तर के स्वास्थ्य इंस्टीट्यूशन को मज़बूत करने, डायग्नोस्टिक सर्विस की क्वालिटी सुधारने और मरीज़ों पर ध्यान देने वाला हेल्थ सिस्टम बनाने को बढ़ावा मिला है। इस तरह की जागरूकता बढ़ाने वाली और प्रोएक्टिव वर्कशॉप से ग्रामीण इलाकों में लोगों के लिए बेहतर क्वालिटी की स्वास्थ्य पाना आसान हो रहा है।

बीकेसी में अजगर के सात बच्चों का सफल रेस्क्यू

मुंबई. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित सेबी भवन के पास फुटपाथ पर डक्ट से बाहर निकल रहे अजगर के बच्चों को सर्प मित्रों ने सुरक्षित बचा लिया. बीकेसी पुलिस स्टेशन से 'वापरा' संस्था को इस घटना की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही सर्प मित्र अतुल कांबले ने जानकारी वन विभाग के मुंबई रेंज ऑफिस कंट्रोल रूम और राउंड ऑफिसर रोशन शिंदे को दी. इसके बाद सर्प मित्र अतुल कांबले और पुलिस हवलदार सचिन मोरे तुरंत मौके पर पहुंचे. पास में ही हाईवे होने के कारण इन जीवों की जान को बड़ा खतरा था, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए सात अजगर के बच्चों और एक कवड्या प्रजाति के सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया.

किताबें, रेनकोट खरीदने के लिए मार्केट में भीड़

- महंगाई से अभिभावक परेशान

भिवंडी. स्कूल शुरू होते ही स्टूडेंट्स समेत अभिभावक भी अलर्ट हो गए हैं। भिवंडी शहर के मार्केट में बच्चों के लिए स्कूल का सामान और दूसरा सामान खरीदने के लिए भीड़ लगने लगी है। हालांकि, बढ़ती महंगाई की वजह से स्टूडेंट्स के कपड़ों और पढ़ाई के सामान की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अभिभावक परेशान हैं। हालांकि, वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए खुशी-खुशी सारा स्कूल का सामान खरीद रहे हैं।

अन्नासाहेब जाधव विद्यालय, प. रा. विद्यालय, नवभारत (NES) इंग्लिश स्कूल, चाचा नेहरू हिंदी

हाई स्कूल, रईस हाई स्कूल जैसे कई स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. इसलिए, इस साल भी स्टूडेंट्स का वेलकम किया गया. स्कूल शुरू होते ही, स्टूडेंट्स के लिए जरूरी अलग-अलग स्कूल का सामान और सामान मार्केट में बिक्री के लिए उपलब्ध है, ऐसा दुकानदार महेंद्र मडकर, संदीप कलंत्री, सोमनाथ भाऊ ने बताया। बच्चों के स्कूल बैग, छाते, रेनकोट, पानी की बोतलें, नोटबुक, किताबें और पेन बिकने लगे हैं, इसलिए माता-पिता इन चीज़ों को खरीदने के लिए बाज़ार में आने लगे हैं।

स्कूल बैग, रेनकोट और छाते की कीमत 100 रुपये से लेकर 500 रुपये तक है। महिलाएं समेत आम लोग खरीदारी के लिए परनाका मार्केट, तीनबत्ती चौक, नज़राना रोड, धामनकर नाका, वंजारपट्टी नाका, कल्याण रोड के साथ-साथ पूर्णा, काल्हेर, कशेली, खारबाओ, कोनगांव जैसे अलग-अलग इलाकों की दुकानों पर जा रहे हैं।

कुत्ते ने खाए 5 मुर्गा, विवाद ने लिया हिंसक मोड़

- भिवंडी तालुका में हुई फायरिंग, एक युवक घायल

भिवंडी. भिवंडी तालुका के अंजूर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत भरोडी गांव में पांच मुर्गों को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक व्यक्ति ने पड़ोसी पर पिस्टल से फायरिंग कर दी, जिसमें गोली तो नहीं लगी, लेकिन खिड़की का कांच टूटकर शिकायतकर्ता के हाथ में घुस गया। घटना में वह घायल हो गया। नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार भरोडी निवासी अजय शशी गायकवाड़ (43) ने दुर्गाप्रसाद जयप्रकाश नायक (52) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, उनके पड़ोसी के कुत्तों ने उसके पांच मुर्गों को खा लिया था। इस संबंध में जब उसने पड़ोसी से जवाब मांगा तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। शिकायत के मुताबिक विवाद के दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि उसके पास पिस्टल है और जो करना है कर लो। इसके बाद शिकायतकर्ता ने नुकसान की भरपाई की मांग की तो आरोपी घर के अंदर गया और पिस्टल लेकर बाहर आ गया। आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता को जान से मारने की नीयत से उसकी ओर पिस्टल तानकर गोली चला दी। फायरिंग होते ही शिकायतकर्ता झुक गया, जिससे गोली उसे नहीं लगी। गोली घर की खिड़की से टकराई और कांच टूट गया। टूटे हुए कांच का एक टुकड़ा शिकायतकर्ता के बाएं हाथ की कलाई के पास लग गया, जिससे वह घायल हो गया और खून बहने लगा। घटना के बाद शिकायतकर्ता जान बचाकर वहां से भाग निकला। नारपोली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109,352 तथा शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश काकड़ कर रहे हैं।

गुरुवार को कलवा, मुंब्रा में नहीं होगी जलापूर्ति

ठाणे. एल नीनो और आईओडी को लेकर जलसंपदा विभाग के साथ हुई समीक्षा बैठक के फैसले के मुताबिक 20% की कटौती करने का फैसला किया गया है.

इसके मुताबिक, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के जांभूल वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर से पानी की सप्लाई गुरुवार, 18 जून, दोपहर 12.00 बजे से शुक्रवार, 19 जून, दोपहर 12.00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए बंद रहेगी.

सार्वजनिक सूचना (PUBLIC NOTICE)

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि श्री प्रकाश जुमरोमल हिरानी एवं श्रीमती ज्योति प्रकाश हिरानी की जायदाद के बिक्री का सौदा किया जा रहा है।

जायदाद का विवरण

रुम नं. 5 और 6, 07/1, बैरक क्रमांक नं. 22, शहाड स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 421001, मालमत्ता क्रमांक 07A0014660300 और 07A0021288300 है।

उपरोक्त जायदाद के लिए यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्था, सहकारी संस्था, उत्तराधिकारी, वारिस, गिरवीधारक अथवा अन्य किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, बंधक, ग्रहणाधिकार (Lien), भार (Encumbrance), वसीयत, उत्तराधिकार, विक्रय अनुबंध, न्यायालयीन वाद, निषेधाज्ञा, कुर्की आदेश अथवा अन्य कोई दावा या आपत्ति हो तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए मोबाइल नंबर अथवा ई-मेल पर लिखित रूप से सूचित करें।

अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार या हित नहीं है तथा प्रस्तावित क्रेता उक्त संपत्ति का सौदा व्यवहार पूर्ण करने के लिए स्वतंत्र होंगे। इसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

सही/-
प्रदीप घनश्यामदास मुरपानी
मोबाइल : 9850791312
ई-मेल : pradeep.murpani.pm@gmail.com

टोरेंट पावर के विशेष सेवा केंद्र का उठावें लाभ

भिवंडी. टोरेंट पावर कंपनी द्वारा ग्राहकों की बिजली संबंधित तमाम समस्याओं के समाधान की खातिर आज (17 जून) सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक आमपाड़ा चाविंद्रा रोड स्थित टोरेंट कस्टमर सर्विस सेंटर में स्पेशल कस्टमर सर्विस कैंप लगाया है. जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदयानी ने बताया कि, ग्राहकों की तमाम समस्याओं के समाधान की खातिर आयोजित विशेष ग्राहक सेवा सेंटर में महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के साथ ही टोरेंट पावर के अधिकारी मौजूद रह कर ग्राहकों की शंकाओं और शिकायतों का समाधान करेंगे. ग्राहकों को कोई समस्या हो तो कैंप में पधारकर मौके का फायदा उठाएं.ज़्यादा जानकारी के लिए टोरेंट पावर की हेल्पलाइन नंबर 18002672255 पर संपर्क करें.

दहेज के लिए विवाहिता का किया मुंडन

- ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज

कल्याण. दहेज और पैसों के लिए ससुराल वालों द्वारा विवाहिता को प्रताड़ित करने और जबरन उसका मुंडन किए जाने की हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर कल्याण के महात्मा फुले थाने में पति, सास और ननद के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया गया है। घटना कल्याण के वालधुनी परिसर की है। फिलहाल विवाहिता का उपचार उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है।

पीड़िता का विवाह साल 2024 में समीर अंसारी से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मायके से दहेज और पैसे लाने के लिए बार-बार दबाव बना रहे थे। पीड़िता ने यह भी बताया कि पैसों के लिए उसे बुरी तरह पीटा गया। जब वह गर्भावस्था में थी तब ससुराल वालों ने उसे खाना नहीं दिया। हद तो तब हो गई जब पति और उसके घर वालों ने मिलकर विवाहिता के सिर के बाल निकाल दिए। इस घटना के बाद मानसिक रूप से आघात हुई पीड़िता उल्हासनगर अपने भाई के घर चली गई। फिलहाल उसका उपचार उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है। वहीं इस मामले में पुलिस ने विवाहिता का बयान लेने के बाद पति समीर अंसारी, सास शहनाज अंसारी और ननद हिना अंसारी के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया है। इस मामले अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

आम सूचना

मैं श्री मुरलीधर कन्हैयालाल मंगतानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 4, ग्राऊंड फ्लोर, संत पाहुराम अपार्टमेंट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 17एआय017987300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती भावन ग्वालानी व श्रीमती लक्ष्मी रमेश काछेला के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.2.2012 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मुरलीधर कन्हैयालाल मंगतानी

फिल्म काला हिरण के मेकर्स को नोटिस

- सलमान दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे थे
- मूवी की रिलीज और प्रमोशन रोकने की मांग की

ल्ली हाईकोर्ट ने एक्टर सलमान खान की उस अर्जी पर नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म काला हिरण की रिलीज और प्रमोशन पर रोक लगाने की मांग की। कोर्ट ने प्रोड्यूसर अमित जानी, जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, डायरेक्टर भारत श्रीनेत, अक्षय पांडे और प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सलमान खान की उस अर्जी पर भी विचार किया, जिसमें फिल्म की रिलीज पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई। कोर्ट को बताया गया कि फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को जारी कर दिया गया, जबकि पहले संकेत दिया गया था कि इसे 20 जून को रिलीज किया जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 19 जून के लिए तय कर दी।

नीले ब्रेसलेट को पहचान का चिन्ह बताया

सलमान की अर्जी में कहा गया है कि फिल्म और उससे जुड़े प्रमोशनल कंटेंट 1998 के काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित या उस पर आधारित प्रतीत होते हैं।

याचिका के अनुसार, भले ही एक्टर का नाम सीधे तौर पर इस्तेमाल नहीं किया गया हो, लेकिन पोस्टर, प्रमोशनल कंटेंट और प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के पब्लिक बयानों से दर्शक उन्हें आसानी से पहचान सकते हैं।

याचिका में 29 मई 2026 को जारी एक पोस्टर का भी उल्लेख किया गया। दावा किया गया कि उसमें दिखाया गया किरदार सलमान से मिलता-जुलता है और उसने एक्टर के पहचान चिन्ह माने जाने वाले नीले रंग के ब्रेसलेट जैसा ब्रेसलेट पहना हुआ है।

9 लॉज और हुक्का पार्लर पुलिस ने की कार्रवाई

ठाणे. 14 को रात साढ़े ग्यारह बजे जोन 1 पुलिस उपायुक्त बालासाहेब पाटिल को उथलसर प्रभाग समिति के अंतर्गत डॉ आंबेडकर रोड पर 1 हुक्का पार्लर और राबोड़ी में 9 लॉज चलने की जानकारी मिली।इसकी सूचना मुंब्रा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक माने और एक टीम को सूचित करने के बाद, उन्हें उस जगह पर भेजा गया। 15 को लगभग साढ़े बारह बजे, उस टीम ने छापा मारा और पाया कि उस होटल मालिक ने अपने होटल के ग्राहकों को हुक्का की सुविधा दी थी। उसके बाद, उस होटल मालिक और 13 अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया और उस जगह से हुक्का पैट, हुक्का फ्लेवर सहित कुल 9,000 रुपये जब्त किए गए। कीमती सामान ज़ब्त कर लिया गया है। इस बारे में, होटल मालिक और 13 अन्य लोगों के खिलाफ़ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन और व्यापार और कमर्शियल लेन-देन और उत्पादन, सप्लाई और वितरण पर रोक) एक्ट, 2003 की धारा 4(A) 21(A) के तहत राबोडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मजदूरी की मांग करने पर सिर पर पत्थर से हमला

- 3 लोगों पर केस दर्ज

भिवंडी. भिवंडी के भंडारी कंपाउंड क्षेत्र में काम के बकाया पैसे मांगना एक श्रमिक को भारी पड़ गया। मजदूरी का भुगतान मांगने पर तीन लोगों ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में मजदूर के सिर और पसलियों में चोटें आई हैं। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के गौरीपाड़ा स्थित महावीर सदन में रहते वाले ज्ञानेश्वर मनोज हरिया (30) एक पावरलूम कारखाने में नौकरी करते हैं। मूल रूप से वह गुजरात के जामनगर जिले के निवासी हैं। 13 जून 2026 की रात करीब 9 बजे भंडारी कंपाउंड स्थित दावत गली में रामचंद्र होटल के पास काम के बकाया पैसों को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान आरोपी राम सुरत यादव (55) ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए ज्ञानेश्वर के साथ हाथ और पैर से मारपीट की। इसके बाद राम सुरत यादव का 25 वर्षीय पुत्र उसके दोस्त ने हरिया के सिर व पसलियों पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उसे चोट लगी। घटना के बाद घायल मजदूर की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आम सूचना

हम श्री चंदन उत्तम चावला व मास्टर जैकी उत्तम चावल सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, 1, तीसरा माला, शिव पैलेस, बैरक नं. 197, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 17एआय019707900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मंजू उत्तम चावला ने गिफ्ट एग्रीमेंट 10.12.2010 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री चंदन उत्तम चावला व
मास्टर जैकी उत्तम चावल

आम सूचना

हम श्री रोशन सुरेशलाल तलरेजा व श्रीमती किरण सुरेश तलरेजा सभी को सूचित कर रहे हैं कि ग्राऊंड फ्लोर, रिजेंसी गार्डन, प्लॉट नं. 14/26, उल्हासनगर- 3 (टैक्स नं. 28बीआय008235000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती वंदना चंदर भाटिया व श्रीमती लिसा गुल सतरामानी से सेल एग्रीमेंट 2.6.2026 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रोशन सुरेशलाल तलरेजा व
श्रीमती किरण सुरेश तलरेजा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099